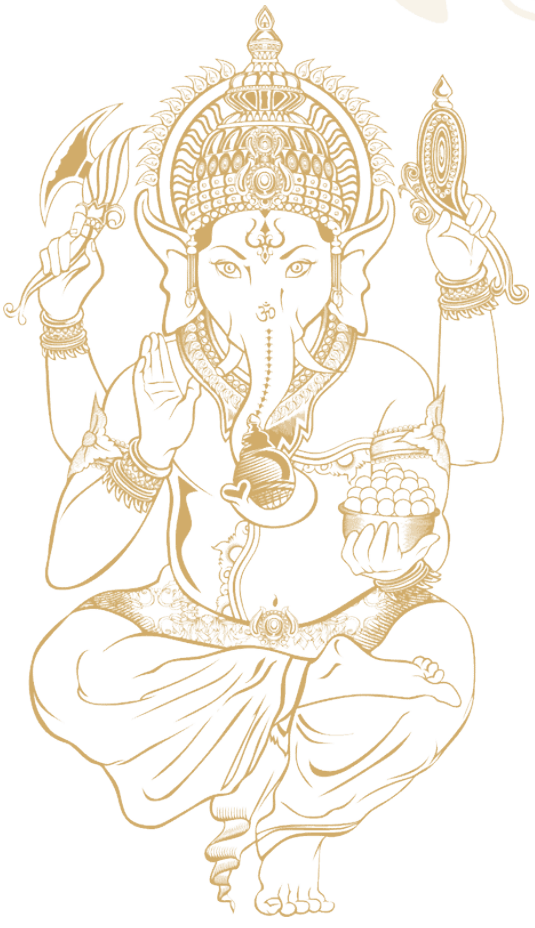

Vaibhav

Mayuri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120813204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/01/1989	जन्म तिथि	07/12/1990
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 30:50:14	जन्म समय(घटी)	23:52:36 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Nasik
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	20:00:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	73:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:34:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:09:54	सूर्योदय	06:56:57
18:06:25	सूर्यास्त	17:54:51
23:42:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 2मा 11दि	06:47:27	कर्क	लग्न	वृष	00:35:59	केतु 6वर्ष 3मा 7दि
शनि	17:26:20	धनु	सूर्य	वृश्चि	21:20:25	चन्द्र
14/03/2025	02:28:55	तुला	चंद्र	सिंह	01:23:26	16/03/2023
14/03/2044	26:47:42	मीन	मंगल व	वृष	08:13:06	15/03/2033
शनि 17/03/2028	04:30:22	मक	बुध	धनु	12:18:59	चन्द्र 14/01/2024
बुध 25/11/2030	02:59:03	वृष व	गुरु व	कर्क	19:46:32	मंगल 14/08/2024
केतु 04/01/2032	24:49:07	वृश्चि	शुक्र	धनु	00:10:48	राहु 13/02/2026
शुक्र 06/03/2035	11:57:25	धनु	शनि	धनु	29:13:46	गुरु 15/06/2027
सूर्य 16/02/2036	12:53:42	कुंभ व	राहु	मक	05:11:51	शनि 13/01/2029
चन्द्र 16/09/2037	12:53:42	सिंह व	केतु	कर्क	05:11:51	बुध 15/06/2030
मंगल 26/10/2038	08:05:01	धनु	हर्ष	धनु	14:33:14	केतु 14/01/2031
राहु 01/09/2041	16:14:19	धनु	नेप	धनु	19:29:13	शुक्र 14/09/2032
गुरु 14/03/2044	20:51:58	तुला	प्लूटो	तुला	25:02:18	सूर्य 15/03/2033

लग्न-चलित

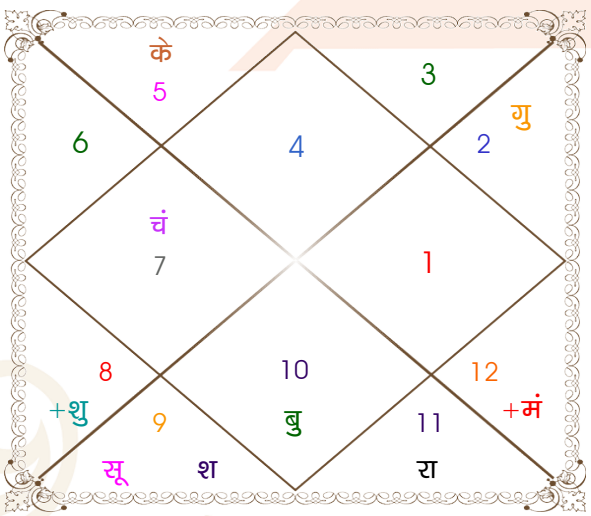

लग्न-चलित

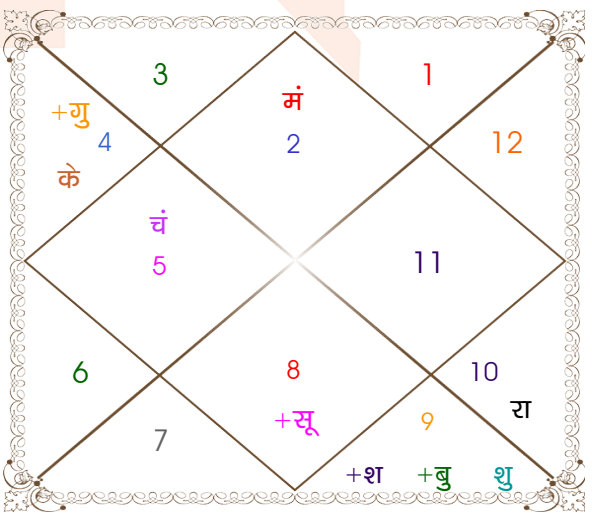

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

टंपङींअ का वर्ग मृग है तथा डंलनतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टंपङींअ और डंलनतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टंपङींअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डंलनतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टंपङींअ कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टंपङींअ तथा डंलनतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।